सुर-ताल

संगीत–परक विविध सामग्री का संग्रह

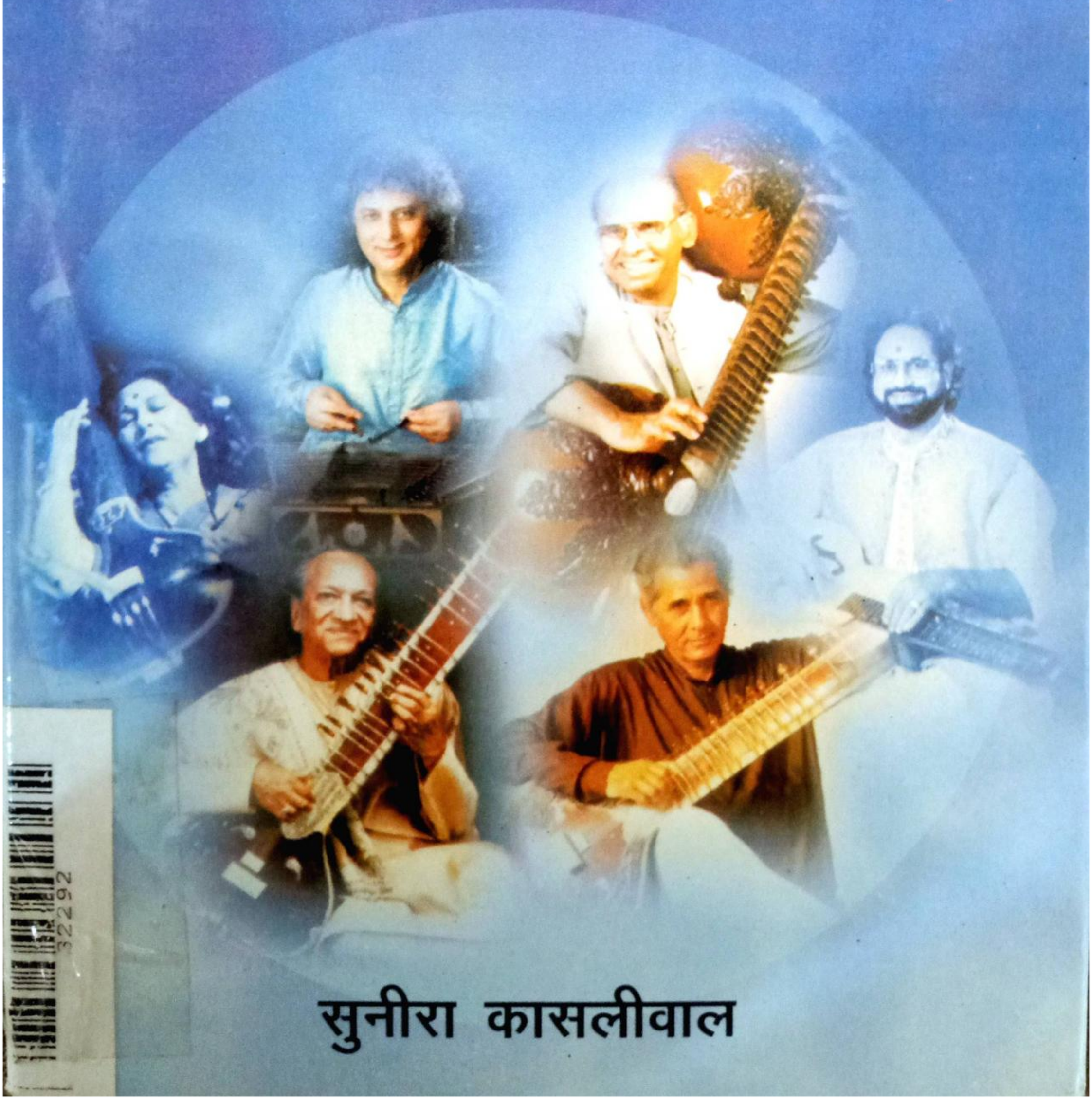

सुनीरा कासलीवाल

32292

Scanned by TapScanner

अनुक्रमणिका

भाग - 1
व्यक्तित्त्व

1. स्व॰ पंडित लालमणि मिश्र: व्यक्तित्त्व-परिचय (लेख-1) 3
2. स्व॰ पंडित लालमणि मिश्र को याद करते हुए (लेख-2) 9
3. राग और विराग का सितार: स्व॰ पंडित निखिल बनर्जी को याद करते हुए 16
4. स्व॰ पंडित कुमार गन्धर्व के साथ कुछ क्षण 20
5. स्व॰ विदुषी डॉ॰ प्रेमलता शर्मा: व्यक्तित्त्व-परिचय 23

भाग - 2
साक्षात्कार

6. 'शास्त्र व प्रयोग एक-दूसरे के पूरक हैं'; विदुषी डॉ॰ प्रेमलता शर्मा 29
7. 'प्रयोगों से भ्रष्ट नहीं होता संगीत'; पंडित रविशंकर 33
8. 'ध्रुपद मेरी रोटी नहीं, मर्यादा है'; उस्ताद रहीम फहीमुद्दीन खाँ 'डागर' 43
9. 'परम्पराओं की रक्षा के लिए कुर्बानी दी जाती है';
उस्ताद असद अली खाँ 54
10. 'मेरा एक अनुशासन है जो मुझे चलाता है';
विदुषी श्रीमती शन्नो खुराना 65
11. 'सितार में विस्तार बहुत है'; सितारवादक पंडित उमाशंकर मिश्र 73
12. 'अपने संगीत से मैं खुद में भी झाँकना चाहता हूँ';
पंडित शिवकुमार शर्मा 77

Scanned by TapScanner

13. 'जो आम आदमी सबसे पीछे की सीट पर बैठा है, मुझे सबसे ज़्यादा उसी की चिन्ता है'; पंडित विश्वमोहन भट्ट 85

14. 'गायन से कई गुना ज़्यादा मुश्किल काम है वाद्य बजाना'; सितारवादक पंडित बुद्धादित्य मुखर्जी 91

15. 'कलाकार हमारे काम की तारीफ करते हैं, इतने से ही हम खुश हैं'; तत्त्-वाद्यों के निर्माता श्री बिशनदास शर्मा 98

भाग - 3

विविध लेख

16. सितार पर दाहिने एवं बायें हाथ का रखाव कैसा हो? 109

17. राग-रागिनी चित्राभिव्यंजन 114

18. संगीत शिक्षा में 'एप्लाइड म्यूज़िक' शामिल करने की आवश्यकता 119

19. सितार वाद्य की वादन सामग्री और उसका विकास 125

20. नई सहस्राब्दि में भारतीय वाद्य; समस्याएँ व सम्भावनाएँ 137

21. आधुनिक काल में वाद्यों की संरचना और निर्माण-प्रक्रिया में आए विभिन्न बदलाव व नवीन प्रवृत्तियाँ 144

भाग - 4

परिशिष्ट

कैसेट व कार्यक्रम समीक्षा

22. भारतीय सितार के दो सितारे; रविशंकर व निखिल बनर्जी 159

23. अष्टांग गायकी का हर रंग; स्व॰ पंडित कृष्णराव शंकर पंडित 161

24. संगीत बचा है बाबा के मैहर में; मैहर कार्यक्रम की समीक्षा 163

Scanned by TapScanner